संपादकीय

जांच पर आंच

पिछले माह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा की जांच को लेकर यूं तो पहले से ही शीर्ष अदालत शंका जता रही थी, लेकिन उसके बावजूद उसने उत्तर प्रदेश को मामले में जांच करने का मौका दिया था। इस मौके को अपनी छवि सुधारने के अवसर में बदलने से यूपी पुलिस चूकी है। सोमवार को इस मामले की जांच प्रक्रिया और पुलिस की भूमिका को लेकर शीर्ष अदालत ने गंभीर सवाल उठाये हैं। यह आम धारणा थी कि जब मामले का मुख्य अभियुक्त केंद्रीय गृह राज्य मंत्री का बेटा है तो उनके मातहत उत्तर प्रदेश पुलिस मामले की निष्पक्षता से जांच कर पायेगी? यही वजह है कि प्रदेश सरकार द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट में जांच की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने निराशा जतायी है। अदालत पुलिस द्वारा उठाये कदमों तथा जांच के तौर-तरीकों से संतुष्ट नजर नहीं आई। स्टेटस रिपोर्ट की खामियों से निराश कोर्ट को यह निष्कर्ष निकालने में देरी नहीं हुई कि उत्तर प्रदेश पुलिस के बूते भरोसेमंद व पारदर्शी जांच संभव नहीं है। ऐसी जांच में राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश को महसूस करते हुए ही शीर्ष अदालत ने इस मामले की पड़ताल की सिफारिश गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली केंद्रीय जांच एजेंसियों के लिये भी नहीं की। विगत में शीर्ष अदालत सीबीआई को पिंजरे के तोते की संज्ञा भी दे चुकी है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने मामले की जांच को राज्य से बाहर के किसी अवकाश प्राप्त न्यायाधीश की देखरेख में कराने का फैसला किया, जो अंतिम रिपोर्ट तैयार करने तक जांच पर लगातार निगरानी रखेंगे। यह इस बात का परिचायक है कि कोर्ट को प्रदेश के राजनीतिक हालात व उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली पर भरोसा नहीं बन पाया है। कह सकते हैं कि पुलिस अदालत का भरोसा हासिल करने में नाकामयाब रही है। लखीमपुर खीरी की हिंसा और इसके बाद पुलिस की कार्रवाई करने में हीलाहवाली ने ऐसे हालात बनाने में नकारात्मक भूमिका निभाई है। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने यूपी पुलिस पर सवालिया निशान लगाती टिप्पणी की है।

घटनाक्रम से जाहिर है कि शीर्ष अदालत की मंशा है कि हिंसा का सच सामने आये। यही वजह है कि कोर्ट प्रारंभ से ही इस मामले पर पैनी नजर रखे हुए है और उत्तर प्रदेश पुलिस व सरकार को लेकर गाहे-बगाहे उसकी सख्त टिप्पणियां सामने आई हैं। जाहिर-सी बात है कि एक लोकतांत्रिक देश में अपने अधिकारों के लिये प्रदर्शन करते लोगों को सत्ता मद में कुचलना एक बड़ा अपराध है और इसके पीछे का सच जानना पूरे देश का हक है। उल्लेखनीय कि इस घटना में चार किसानों समेत आठ लोग मारे गये थे, जिसमें एक स्थानीय पत्रकार भी था। वैसे अदालत ने अन्य लोगों की मौत की जांच के मामले में अलग से कार्रवाई के निर्देश दिये थे। जाहिर है शीर्ष अदालत को लगता है कि मामले की जांच उतनी पारदर्शिता व तेजी से नहीं हो रही है, जो शीघ्र इस घटना के कारणों को न्यायपूर्ण ढंग से उजागर कर सके। गवाहों की स्थिति और अब तक की पड़ताल से भी अदालत संतुष्ट नजर नहीं आई। पुलिस द्वारा दी जाने वाली नयी जानकारी के साथ जब शुक्रवार को मामले की फिर सुनवाई होगी तो कुछ नये तथ्य सामने आएंगे। पुलिस पर भी दबाव होगा कि वे शीर्ष अदालत को अपनी कार्रवाई के प्रति संतुष्ट करा सके। देश के लोग खासकर किसान न्याय की उम्मीद लगाये बैठे हैं कि प्रदर्शनकारियों पर गाड़ी चढ़ाने वाले दोषी सामने आएं और उन्हें सख्त सजा मिले। निस्संदेह ऐसी घटनाओं में न्याय होना चाहिए और न्याय होने के लिये पुलिस की जवाबदेही और निष्पक्षता भी जरूरी है। अब चाहे अभियुक्त केंद्रीय गृह राज्य मंत्री का बेटा ही क्यों न हो। पारदर्शी कार्रवाई से उ.प्र. पुलिस की राष्ट्रीय छवि भी सुधरेगी। बहरहाल, देश में पुलिस व जांच एजेंसियों को राजनीतिक दबाव से मुक्त रहकर निष्पक्षता से काम करने देने वाली व्यवस्था को कायम करना बेहद जरूरी है। साथ ही पुलिस सुधार लागू करने और जांच एजेंसियों को स्वतंत्र बनाना भी जरूरी है।

कर्मचारी की मौत के बाद मिलेगा दोगुना पैसा

» ईपीएफओ का बड़ा फैसला

नईदिल्ली। एम्प्लॉय प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) ने अपने कर्मचारियों और उनके ऊपर आश्रितों को लेकर बड़ा फैसला किया है। दरअसल, ईपीएफओ कर्मचारियों की अचानक हुई मौत के बाद उनके नॉमिनी को दोगुनी रकम दी जाएगी। सेंट्रल बोर्ड की ओर से कर्मचारी के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिजन को एक्स ग्रेशिया डेथ रिलीफ फंड दिया जाता है, जिसको लेकर ईपीएफओ ने यह राहत दी है। इससे ईपीएफओ के देशभर में कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। इस फैसले को लेकर संस्थान ने अपने दफ्तरों में सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सर्कुलर में ईपीएफओ ने साफ किया है कि नॉमिनी को मिलने वाली राशि उनके परिजन को नहीं दी जाएगी, जिनकी मौत कोरोना वायरस की वजह से हुई है। अब आकस्मिक निधन से मिलने वाली राशि बढ़कर 8 लाख रुपये हो गई है। इस फंड के तहत, पहले कर्मचारी के आश्रित को सिर्फ 4.20 लाख रुपये ही दिए जाते थे। इस लिहाज से देखें तो तकरीबन दोगुनी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

यह भी निर्णय किया गया है कि हर तीसरे साल पर इस राशि को तकरीबन 10 फीसदी बढ़ाए जाने की कोशिश की जाएगी। बता दें कि ईपीएफओ के सदस्यों ने मांग की थी कि कम-से-कम 10 लाख रुपये और अधिकतम 20 लाख रुपये की राशि दी जाए। ईपीएफओ के सर्कुलर के अनुसार, अगर कर्मचारी की मौत गैर-कोविड से हुई है तो उसके परिवार या फिर नॉमिनी को 8 लाख रुपये की राशि मिलेगी। यह राशि ईपीएफओ के देशभर में मौजूद कर्मचारियों के लिए होगी। यह राशि वेल्फेयर फंड से दी जाएगी। वहीं, अगर कर्मचारी की मौत कोरोना वायरस की वह से हुई होगी तो फिर 28 अप्रैल, 2020 का वाला ऑर्डर लागू होगा।

हाल ही में केंद्र सरकार ने 6.5 करोड़ लोगों के खातों में पीएफ का ब्याज ट्रांसफर कर दिया। आपके पीएफ खाते में भी आ चुका होगा, अगर अभी तक आपको एसएमएस नहीं आया है तो आप घर बैठे आसानी से चेक कर सकते हैं। पिछले कुछ महीनों से लोग खााताधारक पीएफ पर मिलने वाले ब्याज का इंतजार कर रहे थे। ईपीएफओ ने इस बार पीएफ अमाउंट पर 8.5 फीसद ब्याज दिया है। आप खुद घर बैठे चेक कर सकते हैं कि आपको ब्याज में कितनी रकम मिली है। आप केवल पीएफ खाते के साथ लिंक रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर की मदद से पीएफ ब्याज पता कर सकते हैं।

सरकार ने आईईपीएफए के तहत दावा निपटान प्रक्रिया को आसान बनाया

नईदिल्ली । सरकार ने निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) के तहत दावा निपटान प्रक्रिया को सरल बनाया है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले आईईपीएफए को कंपनी कानून के तहत निवेशक कोष के प्रशासन के लिए स्थापित किया गया है। प्राधिकरण के पास निवेशक शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने, दावा न किए गए शेयरों, लाभांश और अन्य राशियों को सही दावेदारों को वापस करने का अधिकार है। आईईपीएफए (लेखा, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण और वापसी) नियम, 2016 के तहत विभिन्न जरूरतों को तर्कसंगत बनाने के जरिये दावा निपटान प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है।

रोहित, पंत और बुमराह को आराम, पहले टेस्ट में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे रहाणे

नईदिल्ली। उप कप्तान अजिंक्य रहाणे कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 25 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे और नियमित कप्तान विराट कोहली मुंबई में दूसरे टेस्ट में जिम्मेदारी संभालने के लिये लौट आयेंगे।

नव नियुक्त टी20 कप्तान और नियमित सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा, विकेटकीपर ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के कार्यभार प्रबंधन नीति के अनुसार आराम दिया गया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान में कहा, ''विराट कोहली दूसरे टेस्ट के लिये टीम से जुड़ जायेंगे और टीम की अगुआई करेंगे।

मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने ऑफ स्पिनर जयंत यादव के साथ टेस्ट टीम में वापसी की है।

टेस्ट श्रृंखला से पहले तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेली जायेगी।

भारतीय टेस्ट टीम इस प्रकार है : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा (उप कप्तान), शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ऋद्धिमान साहा (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

डीओटी ने गुजरात में लिया वोडाफोन आइडिया और जियो के 5जी परीक्षणों का जायजा

नईदिल्ली । दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने गुजरात में वोडाफोन आइडिया और जियो द्वारा किए जा रहे 5जी के परीक्षणों का जायजा लिया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने गुजरात में 5जी के परीक्षण के लिए इसी वर्ष 27 मई को लाइसेंस और स्पेक्ट्रम आवंटित किया था। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार अधिकारियों की टीमों ने परीक्षण स्थलों का दौरा कर परिणाम की जानकारी ली। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को गांधीनगर (शहरी के लिए), मनसा (अर्ध शहरी के लिए) और उनावा (ग्रामीण के लिए) में स्पेक्ट्रम आवंटित किया गया है। कंपनी उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में नोकिया के साथ मिल कर परीक्षण कर रही है ।

इसी तरह जामनगर (अर्ध शहरी/ग्रामीण) में रिलायंस जियो इन्फोकॉम को उपकरण आपूर्तिकर्ता सैमसंग के साथ मिल कर परीक्षण के लिए स्पेक्ट्रम और लाइसेंस दिया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार दूरसंचार विभाग के तहत 5जी के लिए गुजरात एलएसए (लाइसेंस सर्विस एरिया) की संचालन समिति में विभाग के निदेशक सुमित मिश्रा के नेतृत्व में अधिकारियों ने गुरुवार को वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और नोकिया की तकनीकी टीम के साथ गांधीनगर में परीक्षण स्थलों का दौरा किया। वहां महात्मा मंदिर स्थित 5जी साइट पर डेटा स्पीड की जांच की गयी, जो करीब 1.5 जीबीपीएस - 4जी से लगभग 100 गुना तेज पाई गई। स्पीड का परीक्षण टेस्ट नॉन-स्टैंडअलोन 5जी मोड पर किया गया।

सितंबर तिमाही में वोडाफोन आइडिया को 7,144.6 करोड़ रुपये का घाटा

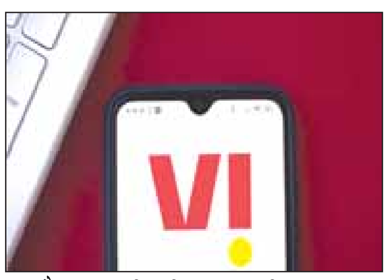

नईदिल्ली। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) को 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कुल 7,144.6 करोड़ रुपये का एकीकृत घाटा हुआ है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 7,218.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

जुलाई-सितंबर 2021 के दौरान कंपनी की कुल एकीकृत आय लगभग 13 प्रतिशत गिरकर 9,406.4 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 10,791.2 करोड़ रुपये थी।

30 सितंबर, 2021 तक वीआईएल पर कुल ऋण 1,94,780 करोड़ रुपये था। इसमें 1,08,610 करोड़ रुपये की स्थगित स्पेक्ट्रम भुगतान देनदारी, 63,400 करोड़ रुपये की समायोजित सकल राज्य (एजीआर) देनदारी के अलावा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिया गया 22,770 करोड़ रुपये का कर्ज शामिल है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले साल विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

वेलिंगटन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2022 में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के अंतर्गत न्यूजीलैंड में अगले साल पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी।

छह मैचों की श्रृंखला नौ फरवरी को एकमात्र टी20 मैच के साथ शुरू होगी और 24 फरवरी को समाप्त होगी। विश्व कप न्यूजीलैंड में मार्च-अप्रैल में कराया जायेगा जिसे कोविड-19 महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को घोषणा की, '' 'वाइट फर्न्स' (न्यूजीलैंड महिला टीम) आगामी विश्व कप (न्यूजीलैंड 22 साल में पहली बार इसकी मेजबानी कर रहा है) की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिये भारत से छह मैचों की श्रृंखला खेलेगी जिसमें एक टी20 मैच और पांच वनडे शामिल होंगे। ''

भारत का अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौरा इस साल सितंबर-अक्टूबर में आस्ट्रेलिया का रहा था जिसमें एक गुलाबी गेंद का टेस्ट भी शामिल था। न्यूजीलैंड किकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने एक बयान में कहा, ''भारतीय टीम के खिलाफ श्रृंखला 'वाइट फर्न्स' की विश्व कप तैयारियों का अहम हिस्सा है। ''

कार्यक्रम इस प्रकार है :

नौ फरवरी : पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, नेपियर

11 फरवरी : पहला वनडे, नेपियर

14 फरवरी : दूसरा वनडे, नेल्सन

16 फरवरी : तीसरा वनडे, नेल्सन

22 फरवरी : चौथा वनडे, क्वींसटाउन

24 फरवरीः पांचवां वनडे, क्वींसटाउन

डिकपल्ड में नजर आएगी माधवन, सुरवीन चावला की जोड़ी

अभिनेता आर. माधवन और सुरवीन चावला नेटफ्लिक्स की आगामी कॉमेडी ड्रामा डिकपल्ड में दिखाई देंगे।

माधवन ने कहा कि मैं आर्य का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पल्प-फिक्शन लेखक है, जो निष्पक्षता और स्पष्टता के साथ-साथ समझौता नहीं करता है। वहीं शो में सुरवीन मेरी शांत पत्नी श्रुति का रोल कर रही है। सुरवीन के साथ काम करके बहुत खुशी हुई और मुझे उम्मीद है कि हमने स्क्रीन पर जो केमिस्ट्री और हास्य पैदा करने की कोशिश की है, वह दर्शकों को भी खूब हंसाएगा।

माधवन को आर्य और सुरवीन को श्रुति के रूप में देखा जाएगा। दोस्तों से लेकर जीवन साथी तक आर्य और श्रुति बहुत कुछ झेल चुके हैं। व्यंग्यात्मक, मुखर पल्प फिक्शन लेखक आर्य और उसकी कॉर्पोरेट सूट की सीईओ पत्नी श्रुति अपनी शादी के बाद जॉब छोड़ने का फैसला करती है।

सुरवीन चावला ने कहा कि डिकपल्ड एक आधुनिक जोड़े के रिश्ते पर प्रकाश डालती है जो अपनी पवित्रता को बरकरार रखने की कोशिश करते हुए शादी की बारीकियों के माध्यम से काम करने की कोशिश कर रहा है। माधवन मेरे पति आर्य का किरदार बेहद सहजता से निभा रहे हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है।

डिकपल्ड के बारे में बोलते हुए, निर्माता मनु जोसेफ ने कहा कि डिकपल्ड एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जो किसी भी स्थिति में देख सकता है कि कैसे दूसरों को अनदेखा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

पूजा बत्रा की फिल्मी दुनिया में स्क्वाड के साथ वापसी

बॉलीवुड में 90 के दशक में हसीना मान जाएगी, नायक और विरासत जैसी हिट फिल्मों के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा स्क्वाड के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पूजा ने कहा, मैं संसार के दूसरी तरफ थी। मैं उस समय लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में थी। शायद इसीलिए आपने मुझे उतनी बार नहीं देखा जितना आप चाहते थे। पूजा ने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से शादी की और अब वह देश वापस आ गई हैं। उन्होंने आगे कहा, अब मैं अपनी शादी के बाद भारत वापस आ गई हूं और नीलेश सहाय ने मुझे स्क्वाड की पेशकश की क्योंकि उन्होंने नंदनी राजपूत के किरदार को मेरे लिए सोचकर लिखा। मुझे स्क्रिप्ट पसंद आई और मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। स्क्वाड दिग्गज अभिनेता डैनी डेन्जोंगपा के बेटे रिनजिंग और मालविका राज की पहली फिल्म है। इसे डिजिटल रूप से जी5 पर 12 नवंबर को रिलीज किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष : घर-परिवार और संतानों के मामले में आज आपको आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा। आज आप सगे. सम्बंधियों और मित्रों से घिरे रहेंगे।

वृषभ : व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ है। वे नए आयोजनों को हाथ में ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा का योग है।

मिथुन : बदनामी और निषेधात्मक विचारों से दूर रहना हितकर रहेगा। अत्यधिक खर्च से आर्थिक तंगी अनुभव करेंगे।

कर्क : आज का दिन सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके लिए लाभदायक साबित होगा। मौजशौक के साधन, उत्तम आभूषण और वाहन की खरीदारी करेंगे।

सिंहः उदासीन वृत्ति और संदेह के बादल का आपके मन पर घिरे होने से मानसिक राहत नहीं अनुभव करेंगे। फिर भी घर में शांति का वातावरण होगा।

कन्या : चिंताए उद्वेगपूर्ण आज का दिन आपको किसी न किसी कारण से मन में चिंता रहा करेगी। विशेष रूप से संतानों और स्वास्थ्य के बारे में आप अधिक चिंतित होंगे।

तुलाः आज आप अत्यधिक भावनाशील बनेंगे और उसके कारण मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे।

वृश्चिक : कार्य सफलता, आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि के लिए अच्छा दिन है। नए कार्य की शुरुआत भी कर सकते हैं।

धनुः निरर्थक धन खर्च होगा। विलंब से कार्य पूरा होगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेना हितकर नहीं हैं।

मकरः ईश्वर के नाम स्मरण से आपके दिन का शुभारंभ होगा। धार्मिक कार्य और पूजा पाठ होंगे। गृहस्थजीवन में आनंदमय वातावरण रहेगा।

कुंभ : जमानती न होने तथा पैसे की लेन.देन न करने की सलाह देते हैं। खर्च में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के मामले में ध्यान रखें। परिवारजनों के साथ संघर्ष में उतरने का अवसर आएगा।

मीन : आज आपके लिए लाभदायक दिन है। नौकरी व्यवसाय के क्षेत्र में आय वृद्धि होगी। बुजुर्ग वर्ग और मित्रों की तरफ से आपको कुछ लाभ होगा। नए मित्र बनेंगे, जिनकी मित्रता भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी।

केले की ऐसी कचौड़ी

आलू, आलू-प्याज, मटर जैसी कई सब्जियों से अलग-अलग तरह की कचौड़ी तैयार की जा सकती है लेकिन क्या पहले कभी आपने केले की कचौड़ी खाई है? अगर नहीं तो यहां जानें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

1 कप गेहूं का आटा, 1 अच्छी तरह पका हुआ केला, 2-3 टेबलस्पून दही, 2-3 टेबलस्पून चीनी, आधा टीस्पून जीरा, 1/4 टीस्पून बेकिंग सोडा, 1/4 टीस्पून काली मिर्च पाउडर, आवश्यकतानुसार तेल (कचौड़ी तलने के लिए), कटे बादाम (सजाने के लिए)

विधि :

केले को छीलकर एकदम बारीक मैश कर लें। इसमें दही, चीनी, जीरा, बेकिंग सोडा और काली मिर्च अच्छी तरह मिक्स करें।

एक परात में आटा लें और उसमें बनाना मिक्स डालकर थोड़ा सख्त गूंथ लें।

आटे पर हल्का सा तेल लगाएं और 30 मिनट के लिए रख दें।

आटा फूलकर सेट हो जाएगा।

फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें।

एक-एक करके लोई को चकले पर हाथ या बेलन से कचौड़ी की तरह मोटी बेलें और प्लेट में रखती जाएं।

जब 6-7 कचौड़ी बेल लें तो गर्म तेल में उन्हें दोनों ओर से सुनहरा होने तक तलें।

सारी कचौड़ियां इसी तरह तैयार करें।

कचौड़ियों को बादाम से सजाकर श्रीखंड के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 257

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

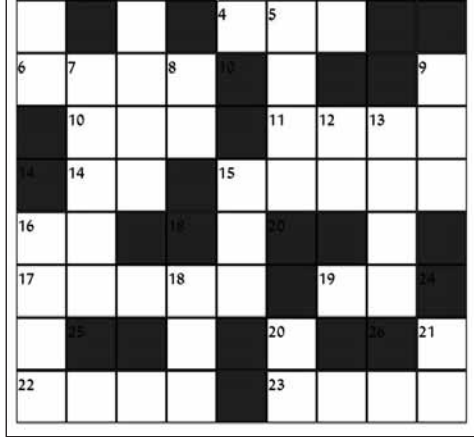

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 256 का हल

सू-दोकू- 257

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के [illegible] बीच का कोई एक अंक [illegible] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.256 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6